

DR. PANKAJ MANUBHAI SHAH

Dr. Pankaj Manubhai Shah is the Vice President, Gujarat Cancer Society, Former Director of Gujarat Cancer & Research Institute & a Trustee of Sadvichar Parivar.

2. Born on December 28, 1945, Dr. Shah is one of the founders of Medical Oncology in India. He served Gujarat Cancer Research Institute (GCRI) for 44 years. As a dedicated life-long professor of medicine he brought Medical Oncology super specialization to Ahmedabad, which was second in the country after Chennai. He has mentored generations of Oncologists who, like their revered mentor Dr Shah, combine excellence in profession with devotion to humanity. Dr Shah's mission has been 'Service to all with suffering to none.'

3. Dr. Shah hails from a modest family background. He was born in Khadia Area of Ahmedabad. His primary education took place in Municipal School. In 1962 Dr Shah passed his SSC with good result and after Inter Science moved to Medicine. He completed his medical studies at BJ Medical College, Ahmedabad in 1972 and became a Physician.

4. Dr. Shah joined Gujarat Cancer Research Institute (GCRI) in 1973. The same year he was deputed by Dr T B Patel, the then Director of GCRI and Dr Shah's mentor, to participate in a course on Chemotherapy being offered by UICC at Germany. After attending the said course Dr Shah returned home with knowhow of Chemotherapy.

5. On his return Dr. Shah got immersed in his single minded goal to serve pain stricken cancer patients. Soon he earned faith and support of Gujarati Shresthis, society, colleagues, students and Govt for which he feels grateful. Dr Shah played the key role in establishing a permanent exhibition on Cancer, the first of its kind in the country. He used innovative idea of combining cancer awareness with festival celebrations effectively. GCRI under the leadership of Dr Shah was the first one to establish Pediatric Oncology Unit in India .Dr Shah has become a leader of his profession; the President of Indian Society of Medical and Pediatric Oncology (1997-1999) and President Indian Society of Hematology and Blood Transfusion (1993-1994).

6. At present, after retirement, Dr. Shah is devoting his time for social service to Sadvichar Parivar, an NGO devoted to health care, old age dignity, and disaster management. His medical consultation continues. Thousands of cancer survivors gratefully remember him for the lesson of hope that they learnt from Dr. Shah who always stood by them in critical health situation reassuring; 'bend of a road is not the end of the road'.

7. Dr. Shah is decorated with awards and orations like; Living Legend of Oncology (ICC Bangalore: 2017), Living Legend in Hematology (2013) Madanmohan Ramanlal GCRI Luminary Oration Award (2012) B.C.Roy award (2005) and many more.



डॉ. पंकज मनुभाई शाह

डॉ. पंकज मनुभाई शाह, गुजरात कैंसर सोसाइटी के उपाध्यक्ष, गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के पूर्व निदेशक और सद्विचार परिवार के ट्रस्टी हैं।

2. आपका जन्म 28 दिसम्बर, 1945 में हुआ था और भारत में मेडिकल ऑनकोलोजी के संस्थापकों में आपका महत्वपूर्ण स्थान है। आपने गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान में 44 वर्षों तक सेवा प्रदान की है। चिकित्सा के एक समर्पित आजीवन प्राध्यापक के रूप में आप अहमदाबाद में मेडिकल ओकोंलॉजी सुपरस्पेशिएलटी की सुविधा की शुरूआत की जो सुविधा चैन्नई के उपरांत देश में किसी अन्य स्थान पर उपलब्ध दूसरी एक मात्र सेवा है। आपने ऑनकोलॉजिस्ट की एक पूरी पीढ़ी का मार्गदर्शन किया है जिन्होंने अपने श्रेद्धय गुरु की भांति मानवता के प्रति निष्ठा के साथ अपने व्यवसाय में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। आपका उद्देश्य 'पीड़ितों से लेकर अपीड़ितों तक सभी की सेवा करना' रहा है।

3. आप एक साधारण पृष्ठभूमि वाले परिवार से संबंध रखते हैं। आपका जन्म अहमदाबाद के खादिया क्षेत्र में हुआ। आपकी प्राथमिक शिक्षा नगरपालिका विद्यालय में हुई। वर्ष 1962 में आपने अच्छे परिणाम के साथ एसएससी की परीक्षा उत्तीर्ण की तथा इंटर साइंस की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत आप मेडिसिन की दिशा में चले गए। आपने वर्ष 1972 में बी. जे. मेडिकल महाविद्यालय अहमदाबाद से मेडिकल संबंधी अध्ययन पूरा किया तथा एक फिजिशियन बने।

4. आपने वर्ष 1973 में गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। उसी वर्ष आपके गुरु तथा उस समय गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. टी वी पटेल द्वारा जर्मनी में यूआईसीसी द्वारा आपको चलाए जा रहे किमोथेरेपी संबंधी एक पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए नियुक्त किया गया।

5. वहां से लौटने के पश्चात, आप कैंसर के दर्द से पीड़ित मरीजों की सेवा करने के अपने एक मात्र लक्ष्य में तल्लीन हो गए। शीघ्र ही आपको गुजराती श्रेष्ठियों, समाज, अपने सहयोगियों, विद्यार्थियों तथा सरकार का विश्वास एवं समर्थन प्राप्त हुआ जिसके लिए आप अपना आभार व्यक्त करते रहे। आपने देश में अपनी तरह का पहली स्थाई कैंसर प्रदर्शनी की स्थापना करने में अहम भूमिका निभायी है। आपने त्योहार संबंधी उत्सवों के साथ कैंसर संबंधी जागरूकता फैलाने के अभिनव विचार को प्रभावपूर्ण तरीके से जोड़ने का प्रयोग किया। गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान ने आपके नेतृत्व में भारत में पहली पिडयाट्रिक ऑनकोलॉजी यूनिट की स्थापना की। आप अपने व्यवसाय के पुरोधा; इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पिडियाट्रिक ऑनकोलॉजी (1997-1999) के अध्यक्ष तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन (1993-1994) के अध्यक्ष भी रहे हैं।

6. सेवानिवृत्ति के उपरांत, फिलहाल आप अपना समय स्वास्थ्य सेवा, वृद्धावस्था की गरिमा तथा आपदा प्रबंधन के प्रति "समर्पित सद्विचार परिवार" नामक एक स्वयंसेवी संगठन के लिए समाज सेवा करने में व्यतीत कर रहे हैं। आप अभी भी चिकित्सीय परामर्श देते हैं। कैंसर की बीमारी से ठीक हुए हजारों रोगी आज भी आपसे सीखे उस "लैसन ऑफ होप" के लिए आपको तहे दिल से याद करते हैं कि किस प्रकार आप हमेशा विकट स्वास्थ्य स्थितियों के दौरान उनके पास मौजूद रहते हुए उन्हें यह विश्वास दिलाते रहे कि किसी मार्ग में आया मोड़ उसका अंत नहीं है।

7. डॉ. शाह को लिविंग लेजेंड ऑफ ऑनकोलॉजी (आईसीसी बंगलौर: 2017), लिविंग लेजेंड इन हेमोटोलॉजी (2013) मदन मोहन रमन लाल जीसीआरआई ल्यूमिनरी ओरेशन अवार्ड (2012), बी. सी. रॉय पुरस्कार (2005) तथा ऐसे ही अन्य अनेक पुरस्कारों एवं उपाधियों से सम्मानित किया गया है।